हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 192 देहरादून, मंगलवार, 23 जनवरी, 2024 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

सीएम धामी ने DIPR के "सशक्त नेतृत्व, समृद्ध उत्तराखण्ड" कलेंडर का विमोचन किया

3

हमारे राम आ गए हैं : नरेंद्र मोदी पीएम

रामलला के पूर्ण स्वरूप को देखकर भावुक हुए मोदी और योगी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो ,रिपोर्ट 23 जनवरी , अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर से राम लला की प्रतिमा की पहली झलक सम्मोहित करने वाला था। इस मौके पर पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ ने शीश झुकाकर रामलला का आशीर्वाद लिया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा हुई। मंदिर में रामलला की नए विग्रह के साथ उनका पुराना विग्रह भी रखा गया है। नया विग्रह अचल होगा, जिसे कभी गर्भगृह से बाहर नहीं निकाला जाएगा।

अब हमारे राम टेंट में नहीं रहेंगे : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

अभिजीत मुहूर्त में रामलला के पूर्ण स्वरूप की पूजा हुई। मुकुट, कुंडल और आभूषणों से सजे पांच साल के श्रीराम की छवि देखकर वहां मौजूद पीएम मोदी, योगी आदित्यनाथ समेत सभी लोग भावुक हो गए। पीएम मोदी ने लिखा अयोध्या धाम में श्री रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा का अलौकिक क्षण हर किसी को भाव-विभोर करने वाला है। इस दिव्य कार्यक्रम का हिस्सा बनना मेरा परम सौभाग्य है।

रामलला के इस विग्रह की खासियत है कि इस पर रोली, चंदन या सिंदूर लगाने के बाद भी इसकी चमक फीकी नहीं पड़ेगी। मकराना पत्थर से बना विग्रह जमीन से 7 फीट ऊंचा है। रामलला 3.4 फीट ऊंचे कमल आसन पर विराजमान है। मूर्ति के उपर स्वास्तिक, गदा, ऊं, शंख, सूर्य और चक्र बनाए गए हैं। 51 इंच की रामलला की मूर्ति का वजन 150 किलो है। इस विग्रह के दोनों तरफ चक्र में विष्णु के दस अवतारों को उकेरा गया है।

शंख के घोष और घंटी- घड़ियाल की स्वर लहरियों के बीच पीएम नरेंद्र मोदी ने रामलला की आरती उतारी। मोहन भागवत ने भी थाली में दीप रखकर आरती की। इस दौरान वहां मौजूद पुजारी चंवर हिलाकर प्रभु की सेवा करते रहे। योगी आदित्यनाथ भी ताली के साथ आरती गाते रहे। पूरी आरती के दौरान योगी हाथ जोड़े खड़े रहे। बाद में उन्होंने भी आरती उतारी। पीएम मोदी ने पूजा के बाद रामलला के विग्रह की परिक्रमा की। उनके साथ सीएम आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल भी मौजूद रहे। परिक्रमा के बाद प्रभु श्रीराम के सामने पीएम मोदी दंडवत हो गए। इसके बाद उन्होंने मंदिर में मौजूद संतों के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद भी लिया और पुरोहितों को दक्षिणा दी।

पीएम मोदी, मोहन भागवत और आदित्यनाथ ने भी उतारी रामलला की आरती

अयोध्या में पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने उद्बोधन की शुरुआत जय श्री राम के साथ किया। उन्होंने कहा कि ये क्षण अलौकिक है। ये क्षण प्रभु श्रीराम का हम सब पर आशीर्वाद है। सदियों की प्रतीक्षा के बाद हमारे राम आ गए हैं। अब हमारे राम टेंट में नहीं रहेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि हम बहुत भाग्यशाली हैं जो रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर मौजूद हैं। यह समय सामान्य समय नहीं है। यह काल के कपाल पर अमिट स्मृति रेखाएं हैं। राम मंदिर के भूमि पूजन के बाद से देश में उमंग और उत्साह बढ़ता जा रहा था। देशवासियों में नया विश्वास पैदा हो रहा था। आज हमें सदियों के धैर्य की धरोहर मिली है। हमें श्रीराम का मंदिर मिला है।

मुख्यमंत्री ने टपकेश्वर मंदिर में सपरिवार पूजा-अर्चना की

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 23 जनवरी , अयोध्या में प्रभु श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने टपकेश्वर से वर्चुअल दर्शन कर प्रभु श्रीराम से प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने इससे पहले टपकेश्वर मंदिर में सपरिवार पूजा-अर्चना और यज्ञ किया। अयोध्या में प्रभु श्रीराम के बाल रूप विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के बाद मुख्यमंत्री ने टपकेश्वर में भक्तजनों को प्रसाद वितरण भी किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आज हम सब प्रभु श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के साक्षी बने हैं। यह हर्ष- उल्लास और देश को गौरान्वित करने वाला क्षण है। आज का यह दिन प्रभु श्री राम के न्याय और नैतिकता, सत्यनिष्ठा, साहस, शालीनता और करूणा के भाव को अपने जीवन में लाने के लिए संकल्प लेने का दिन है। उन्होंने कहा कि संतो की तपस्या, कार सेवकों के बलिदान, करोड़ों सनातनियों की प्रतीक्षा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रबल इच्छाशक्ति के परिणामस्वरूप आज अयोध्या में श्री रामलला अपने भव्य एवं दिव्य मंदिर में विराजमान हो गये हैं। आज का यह स्वर्णिम अवसर हम सभी के जीवन में परम सौभाग्य लेकर आया है।

अयोध्या से लौटते ही प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना का एलान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

■ भारतवासियों के घर की छत पर अपना सोलर रूफ टॉप सिस्टम होगा

ब्यूरो रिपोर्ट , 23 जनवरफी , अयोध्या में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा से लौटने के बाद पीएम मोदी ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने 'प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना' की घोषणा करते हुए कहा कि 1 करोड़ घरों पर रूफटॉप सोलर लगाया जाएगा। पीएम मोदी ने कहा कि अयोध्या से लौटने के बाद मैंने पहला निर्णय यह लिया है कि हमारी सरकार 1 करोड़ घरों पर रूफटॉप सोलर लगाएगी। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए 'प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना' शुरू करेगी।

उन्होंने कहा कि सूर्यवंशी भगवान श्री राम के आलोक से विश्व के सभी भक्तगण सदैव ऊर्जा प्राप्त करते हैं। आज अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर मेरा यह संकल्प और प्रशस्त हुआ कि भारतवासियों के घर की छत पर उनका अपना सोलर रूफ टॉप सिस्टम हो। सूर्यवंशी भगवान श्री राम के आलोक से विश्व के सभी भक्तगण सदैव ऊर्जा प्राप्त करते हैं। अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर मेरा ये संकल्प और प्रशस्त हुआ कि भारतवासियों के घर की छत पर उनका अपना सोलर रूफ टॉप सिस्टम हो। पीएम मोदी ने कहा कि इससे गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों का बिजली बिल तो कम होगा ही, साथ ही भारत ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भी बनेगा।

डायरेक्ट-टू-मोबाइल स्ट्रीमिंग क्या है ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 23 जनवरी , डायरेक्ट-टू-मोबाइल स्ट्रीमिंग तकनीक को किसी भी प्रकार के डेटा को स्थानांतरित करने के लिए इंटरनेट की आवश्यकता नहीं होती है। D2M की मदद से बिना सिम और इंटरनेट के भी अपने स्मार्टफोन पर लाइव टीवी चलाया जा सकता है। जिस तरह आप बिना इंटरनेट या डेटा के भी अपने सेल फोन पर एफएम रेडियो सुन सकते हैं। यह तकनीक भी उसी तरह काम करेगी जैसे टेलीविजन देखने के लिए इंटरनेट या डेटा की जरूरत नहीं होगी।

डायरेक्ट-टू-मोबाइल स्ट्रीमिंग का क्या फायदा है ?

D2M का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि किसी भी प्रकार के वीडियो, ऑडियो और डेटा सिग्नल को सीधे संगत मोबाइल और स्मार्ट डिवाइस पर प्रसारित किया जा सकता है। ऐसा करने के लिए इंटरनेट पर निर्भर रहना जरूरी नहीं होगा और बिना सिम

कार्ड के भी मल्टीमीडिया कंटेंट का लाइव प्रसारण किया जा सकेगा। इस तकनीक को आईआईटी कानपुर और सांख्य लैब्स द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया जा रहा है।ऑफ़लाइन स्ट्रीमिंग चलाने से मोबाइल नेटवर्क पर बढ़ता दबाव भी कम होगा और मौजूदा 5G नेटवर्क का कवरेज और पहुंच बढ़ेगी। D2M के आने से 5G नेटवर्क में आ रही अड़चन दूर हो जाएगी. देश के डिजिटल विकास में तेजी आएगी और सामग्री वितरण पर सरकारी नियंत्रण भी बढ़ेगा और अब से अधिक सुलभ हो जाएगा।

स्मार्टफोन टेक्नोलॉजी में होंगे बदलाव

D2M यानी डायरेक्ट-टू-मोबाइल स्ट्रीमिंग की पहुंच बढ़ने के बाद मोबाइल फोन पर वीडियो स्ट्रीमिंग के लिए हाई-स्पीड इंटरनेट की जरूरत खत्म हो जाएगी। लेकिन रिपोर्ट के मुताबिक, D2M सर्विस का आनंद लेने के लिए स्मार्टफोन में D2M सपोर्ट होना अनिवार्य होगा। यह समर्थन वर्तमान में व्यावसायिक रूप से उपलब्ध सेल फोन पर उपलब्ध नहीं है ऐसे में D2M ट्रांसमिशन सर्विस शुरू होने के बाद D2M सपोर्टेड फोन में इस तकनीक को सपोर्ट करने वाले नए फोन भी लाए जाने चाहिए. नए D2M समर्थित मोबाइल फोन को D2M एंटीना से लैस करना होगा जो DTH डिकोडर के रूप में कार्य करेगा।

पढ़िए कंजूस और खर्चीले में कौन ज्यादा खुशदिल ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 23 जनवरी , दुनिया में कई प्रकार के लोग होते हैं। जिनकी अपनी अलग-अलग सोच होती है। खासकर पैसों को लेकर। कोई रहीशी भरा जीवन जीना चाहता है। जिसके लिए वह दिल खोलकर पैसे उड़ाता है, यानी कि खर्च करता है। जबकि कुछ लोग बेहद कंजूस टाइप के होते हैं। यह जरूरी चीजों पर ही खर्च करना पसंद करते हैं। यह सेविंग करना पसंद करते हैं। ऐसे में कई बार आपके मन में यह सवाल जरूर आया होगा कि सेविंग करने वाला अथवा दिल खोलकर पैसे उड़ाने वाला। इन दोनों में से कौन सबसे ज्यादा खुश है।इसी बात को लेकर हाल ही में एक रिसर्च किया गया। जिसमें जो बात सामने निकलकर आई, वह हैरान करने वाली हैं। रिसर्च में दावा किया गया कि लोग जो दिल खोलकर पैसा उड़ाते हैं। वह ज्यादा खुशी होते हैं। तो वहीं सेविंग करने वालों के बारे में क्या खुलासा हुआ, चलिए जानते हैं।

मीडिया रिपोर्ट की माने तो करीब 2 हजार अमेरिकी लोगों को लेकर एक पोल किया गया। जिसमें यह पाया गया कि 56 प्रतिशत लोग पैसा दिल खोलकर खर्च करते हैं। यह खर्च उन चीजों पर करते हैं, जिसे वह हासिल करना चाहते हैं। जबकि 34 प्रतिशत ऐसे लोग हैं। जो पैसा बचाने वाले हैं। यह पैसा सेव करने पर भरोसा करते है। यह पैसा तभी खर्च करते हैं जब किसी चीज की नितांत आवश्यकता होती है।

कौन है ज्यादा खुश !

रिपोर्ट की माने तो 10 फीसदी ऐसे भी लोग है जो खर्च से बचते हैं। यह किसी भी प्रकार पैसें खर्च नहीं करना चाहते हैं। शोध में यह भी साफ किया गया है कि जो पैसे खर्च करते हैं वह बेफिजूल नहीं करते हैं। यह अपने शौक पर पैसा उड़ाते हैं। यह सेविंग करने वाले की अपेक्षा दो गुना ज्यादा पैसा खर्च करते हैं। बावजूद यह सेविंग करने वालों की अपेक्षा ज्यादा खुश हैं।

क्यों हैं खुश !

अब सवाल उठता है कि बचत करने वालों की अपेक्षा पैसे उड़ाने वाले क्यों ज्यादा खुश हैं। तो स्टडी कहती है कि पैसे उड़ाने वाले भले ही सेविंग करने वाले की बजाय दो गुना रकम उड़ाते हो। लेकिन यह अपने बजट का ध्यान रखते हुए पैसे खर्च करते हैं। यह कल के बारे में कम सोचते है। यह जिंदगी वर्तमान में जीते हैं। तो वहीं बचत करने वाला भविष्य को लेकर ज्यादा चिंतित रहता है। इन्हें भविष्य टेंशन रहती है। जिस वजह से यह पैसे सोच-समझकर ही खर्च करना पसंद करते है। जिससे इनका भविष्य को सुरक्षित रहता है। भविष्य में पैसों की जरूरत पड़ने वह इनका सहारा बनता हैं। हालांकि रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि इंसान को कमाई का 30 प्रतिशत हिस्सा बचत में अवश्य रखना चाहिए।

दामाद क्यों नहीं छूते पैर? और किसको नहीं छूने चाहिए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 23 जनवरी , अपनों से बड़ों का पैर छूना शास्त्रों में अच्छा माना गया है। लेकिन कई लोग ऐसे हैं जिनका पैर कभी नहीं छूना चाहिए। बड़ों के पैर छूना एक बड़ी परम्परा है। जिसका निर्वहन आज भी लोग करते हैं। अक्सर लोग अपनो से बड़ों का पैर छूते हुए दिख जाते हैं, और यही संस्कार अपने बच्चों को भी देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि किसके पैर नहीं छूने चाहिए। किस स्थिति में पैर नहीं छूने चाहिए। यदि आप इस बात से अंजान हैं तो यहाँ हम बताएँगे कि हमें कब और किसके पैर नहीं छूने चाहिए। किस स्थिति में हमें बड़ों का भी पैर नहीं छूना चाहिए। शास्त्रों में पैर छूना का वैसे तो बड़ा महत्व बताया गया है। यह परम्परा बड़े का सम्मान करना है। ऐसे में चलिए जानते हैं पैर छूने से जुड़ी कुछ खास बातें।

भतीजे-भतीजियों

शास्त्रों में भतीजे-भतीजियों को देवता माना गया है। उनका कोई भी भतीजा-भतीजी उनके पैर न छुए। ऐसा करने से आपके पुण्य नष्ट हो सकते हैं।

भगवान की प्रतिमा के सामने

भूलकर भी भगवान की मूर्ति के सामने पैर नहीं रखना चाहिए। भगवान से बड़ा कोई नहीं, मूर्ति के सामने पैर छूने से भगवान का अपमान हो सकता है। सबसे पहले भगवान की मूर्ति के चरण स्पर्श करें। इसके अलावा मंदिर में भी पैर नहीं छूने चाहिए। आप अपने हाथ से भी सम्मान दे सकते हैं।

झूठे के पैर

कभी-कभी आप किसी के घर जाते हैं और कोई बूढ़ा आदमी या बुजुर्ग व्यक्ति लेटा होता है। किसी भी असुविधा से बचने के लिए लेटते समय उनके पैर छुएं। ऐसा नहीं करना चाहिए। माना जाता है कि इससे व्यक्ति की उम्र कम हो सकती है।

अपने दामाद को अपने पैर न छूने दें

ऐसा माना जाता है कि दामाद को अपने सास-ससुर के पैर नहीं छूने चाहिए। ऐसा करने से आपके जीवन में किए गए सभी अच्छे काम बुरे में बदल सकते हैं। आप अपने दामाद, सास और ससुर को भी हाथ जोड़कर नमस्कार कर सकते हैं। इसी तरह शमशान से लौटे हुए व्यक्ति के कभी पैर नहीं छूने चाहिए। क्योंकि वह व्यक्ति अशुद्ध होता है। ऐसे में जब भी कोई व्यक्ति ऐसी स्थिति में मिले तो न ही उससे प्रणाम करें और उसके पैर छूये। बल्कि उससे दूर रहे जब तक वह पवित्र नहीं हो जाता है।

AI गर्लफ्रेंड की धूम, 30 भाषाओं में करती है बातें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 23 जनवरी , सोशल मीडिया पर इन दिनों एक AI मॉडल लोगों के बीच चर्चा में है. जो हर महीने पुरुषों का अकेलापन दूर करके 25 लाख रुपए महीना कमा रही है. मजे की बात ये है कि ये मॉडल हर समय चैट के लिए उपलब्ध रहती है. यह 30 से अधिक भाषाएं बोल सकती है और यही कारण है कि यह दुनिया के कोने कोने में प्रशंसकों से जुड़ी हुई है.

आज के समय की अगर सच्चाई देखी जाए तो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस है. जिसकी सहायता आजकल हर कोई ले रहा है. ये ना सिर्फ इंसान के काम आ रहा है बल्कि इसके जरिए करोड़ों रुपये कमाने के तरीके भी बताए जाते हैं. हाल के दिनों में एक ऐसी ही AI मॉडल लोगों के बीच चर्चा में है. जो लाखों डॉलर की कमाई कर करे दे रही है. मजे की बात तो ये है कि इसे कोई AI मॉडल मानता ही नहीं बल्कि असल में उसे इंसान समझ बैठते हैं. आलम तो ऐसा है कि उसे आए दिन शादी के प्रस्ताव आते रहते हैं.

हम बात कर रहे हैं लेक्सी लव के बारे में, जिसे फॉक्सी एआई नाम की कंपनी द्वारा बनाया गया है. इस मॉडल की सबसे खास बात ये है कि यह इंसानों की तरह भावनाओं को साझा करती है. यह दिखने में किसी भी तरह से नकली या आभासी नहीं लगती. यहां तक कि फैंस और प्रशंसकों के साथ इसके गहरी भावनाओं वाले लगाव हो जाते हैं.

दूर करती है पुरुषों का अकेलापन

इस मॉडल की नीली आंखें उसकी खूबसूरती में चार चांद लगाती है. इसे इस तरीके से तैयार किया गया है कि ये आपको टेक्स्ट भेज सकती है, आवाज के संदेश भेज सकती है और अगर आप इससे रिक्वेस्ट करे तो फोटो भी भेज देती है. हैरानी की बात तो ये है कि यह आराम से 30 भाषाएं बोल सकती है और इसी कारण दुनिया के कोने-कोने में इसके फैंस मौजूद है.

मजे की बात तो ये है कि इसे अच्छे से पता है कि कैसे पुरुषों का अकेलापन दूर किया जाए. इसके अलावा हर महीने लैक्सी 30 हजार डॉलर कमा कर दे भी रही है. फॉक्सी एआई के सीईओ सैम इमारा का लैक्सी के बारे में कहना है कि ये विज्ञान का एक ऐसा रूप है जो तकनीकी बाधाओं को दूर करने मिसाल बनेंगी. लेक्सी चैटिंग में इतनी अच्छी है कि वह अपने फैन्स को आसानी से यह अहसास दिला देती है कि वह कोई एआई मॉडल नहीं बल्कि वास्तविक इंसान है.

सीएम धामी ने DIPR के ''सशक्त नेतृत्व, समृद्ध उत्तराखण्ड'' कलेंडर का विमोचन किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 23 जनवरी , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास में सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड के वार्षिक कलेण्डर ''सशक्त नेतृत्व, समृद्ध उत्तराखण्ड'' का विमोचन किया। इस वार्षिक कलेण्डर के माध्यम से उत्तराखण्ड के सभी 13 जनपदों के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटक स्थलों, स्थानीय उत्पादों, प्राकृतिक सौन्दर्य, पौराणिक स्थलों को चित्रों के माध्यम से दर्शाया गया। वार्षिक कलेण्डर के माध्यम से राज्य की पर्यटन नीति, सौर ऊर्जा नीति, सशक्त महिला समृद्ध प्रदेश, युवाओं के प्रति संवेदनशीलता एवं निवेश-रोजगार-समृद्धि के लिए सरकार द्वारा किये गये कार्यों की ओर लोगों के ध्यान आकर्षण के प्रयास किये गये।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर उच्च स्तरीय बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गये 9 संकल्पों को राज्य स्तर पर क्रियान्वित करने के लिए कार्यों में तेजी लाई जाए। जल संरक्षण की दिशा में लगातार प्रयास किए जाएं और इसके लिए जागरूकता अभियान भी चलाया जाए। डिजिटल लेन-देन के लिए लोगों को जागरूक करने एवं स्वच्छता अभियान नियमित रूप से चलाने के भी मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में वोकल फॉर लोकल को तेजी से बढ़ावा दिया जाए। देश में बने उत्पादों के अधिकतम इस्तेमाल करने का भी उन्होंने लोगों से आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इससे देश की आर्थिकी तेजी से बढ़ेगी। राज्य में पर्यटन को और तेजी से बढ़ावा देने और प्राकृतिक खेती को और बढ़ावा देने के निरंतर कार्य करने के निर्देश मुख्यमंत्री ने दिए। श्रीअन्न और खेलों को नियमित अपनी दिनचर्या में शामिल करने और ड्रग और नशे की लत से दूर रहने के लिए समय- समय पर जागरूकता अभियान चलाने को कहा। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, सचिव आर.मीनाक्षी सुंदरम, शैलेश बगोली, विनय शंकर पाण्डेय, विशेष सचिव डॉ. पराग मधुकर धकाते, एडीजी ए.पी. अंशुमन और महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी उपस्थित थे।

मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल, मंत्री सुबोध उनियाल शोभा यात्रा में शामिल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 23 जनवरी , ऋषिकेश विधायक व मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल, वन मंत्री सुबोध उनियाल और भाजपा संगठन महामंत्री अजेय ने चंद्रेश्वर मंदिर से रघुनाथ मंदिर त्रिवेणी घाट तक आयोजित भव्य शोभा यात्रा में प्रतिभाग करते हुए राम धुन- श्री राम, जय राम, जय जय राम का उद्घोष किया। डॉ अग्रवाल ने कहा कि लंबे संघर्ष और इन्तजार के बाद अयोध्या में राम मंदिर बनने का सपना साकार हुआ। इस दौरान डॉ अग्रवाल ने मिष्ठान वितरित कर राम भक्तों पर पुष्पवर्षा की।

सोमवार को आयोजित शोभायात्रा के दौरान डॉ अग्रवाल ने कहा कि आज अयोध्या में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के हम सब साक्षी बनें। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने हजारों साधु संतों, राम भक्तों, सनातन प्रेमियों के बीच श्रीराम मंदिर का उद्घाटन किया। कहा कि इस पुण्य दिन के देश के साथ विदेश भी साक्षी बना। कहा कि सबकी साधना और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राम मंदिर बनाए जाने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड से भगवान श्री राम का भी विशेष नाता है। देवप्रयाग में भगवान श्री राम को समर्पित रघुनाथ मंदिर एवं बागेश्वर जनपद में निर्मल बहती सरयू नदी है। मां सरयू का उद्गम स्थल हमारे उत्तराखंड में है एवं सरयू किनारे ही अयोध्या धाम में श्री राम विराजमान हैं।

संगठन महामंत्री अजेय जी ने कहा कि उत्तराखण्ड के लोग राम भक्त भी हैं और राष्ट्र भक्त भी हैं। जब से राज्य में इस पखवाडे. की शुरूआत हुई, तब से पूरा प्रदेश राममय हो गया है।

इस मौके पर महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल, जिलाध्यक्ष रविन्द्र राणा, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष कविता साह, मंडल अध्यक्ष सुमित पंवार, महिला मोर्चा अध्यक्ष माधवी गुप्ता, संजय शास्त्री, विजेंद्र मोंगा, दिनेश सती, प्रतीक कालिया, नंद किशोर जाटव, देवदत्त शर्मा, राजपाल ठाकुर, शंभू पासवान, ललित जिंदल, शिव कुमार गौतम, रूपेश गुप्ता, चंदू यादव, जगावर सिंह, अभिनव पाल, अनिता तिवाड़ी, उषा जोशी, स्वाति शर्मा, रीता गुप्ता, कपिल गुप्ता, राजू नरसिम्हा, संजीव पाल, पुष्पा ध्यानी सहित सैकड़ों की संख्या में रामभक्त उपस्थित रहे।

संक्षप्ति खबरें

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर होगा क्रॉस कन्ट्री दौड़ का आयोजन

चमोली। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर क्रॉस कन्ट्री दौड़ का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए मुख्य प्रशासनिक अधिकारी खेल विभाग विक्रम चौधरी ने बताया कि गणतंत्र दिवस की पूर्व बेला व 14 वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस 25 जनवरी को स्पोर्टस स्टेडियम गोपेश्वर से पीजी कालेज, जीरो बैण्ड व गोपेश्वर घिंघराण मोटर मार्ग के चयनित स्थल होते हुए वापस ग्राउण्ड तक क्रास कन्ट्री दौड़ का आयोजन किया जाएगा। जिसमें बालक वर्ग अन्डर 16 में 4 किमी, बालक ओपन वर्ग में 08 किमी तथा बालिका वर्ग अन्डर 16 में 03 किमी व बालिका वर्ग ओपन में 05 किमी दौड रखी है। उन्होंने बताया कि बालक एवं बालिकाओं के प्रत्येक आयु वर्ग में प्रथम से पंचम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाडियों को खेल विभाग चमोली द्वारा आकर्षक पुरस्कार व उक्त के अतिरिक्त सभी आयु वर्गो में दौड़ पूरी करने वाले दो-दो खिलाडियों को लॉटरी के माध्यम से पुरस्कृत किया जायेगा।

राम भक्ति में लीन हुए चमोलीवासी

चमोली। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर जनपद चमोली के मंदिरों में श्री राम भजन, कीर्तन, सुंदरकांड का पाठ एवं अनुष्ठान जारी रहा। पालिका और पंचायतों में मंदिरों को सुंदर लाइटिंग से सजाया गया। जोशीमठ नगर पालिका के तत्वावधान में रविवार को स्थानीय महिलाओं ने मुख्य बाजार से होते हुए नरसिंह तक दिव्य कलश यात्रा निकाली। मंदिर में राम भजन, संकीर्तन एवं दीपोत्सव का आयोजन किया गया।

गोपीनाथ मंदिर में सुंदरकांड का पाठ

चमोली। अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर जब गोपीनाथ मंदिर परिसर में सुंदर काण्ड पाठ किया गया। वहीं, कठ्यूड़ गांव की अधिष्ठात्री मां ज्वाला ज्वालपा की भव्य डोली ग्राम भ्रमण पर सभी भक्तों को दर्शन देने पहुंची। इसके अलावा वाल्मीकि परिवार की ओर से शोभा यात्रा भी निकाली गई।

जय श्री राम के उद्घोष से गूंजी पिंडर घाटी

चमोली। अयोध्या में भगवान श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा शुरू होते ही थराली के विभिन्न बाजारों में भगवान राम की शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान भगवान राम के जयकारों से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। शोभायात्रा के दौरान भगवान राम के भजन कीर्तन पर भक्त जमकर थिरके। इस दौरान जमकर आतिशबाजी भी की गई। सोमवार को श्री राम मंदिर अयोध्या धाम में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर जहां पूरे देश में भव्य आयोजन किये गए। वहीं, थराली नगर मे राष्ट्रीय स्वयं संघ के कार्यकर्ताओं ने रामलीला मैदान से थराली नगर तक भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया। इस दौरान बेतालेश्वर मंदिर में भंडारे का आयोजन भी किया गया। अलग-अलग गांव के क्षेत्रों से वाहनों में राम-लक्ष्मण और सीता की झांकियां पहुंचीं।

चमोली के सभी मंदिरों में हुई श्री राम अर्चना वंदना

चमोली। अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर बदरीनाथ से लेकर बदरी पांडुकेश्वर, गोपेश्वर मंदिर समेत चमोली के सभी मंदिरों में श्रीराम अर्चना वंदना, पूजा अनुष्ठान, सुंदर पाठ का आयोजन किया गया। जोशीमठ नृसिंह मंदिर में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट सहित सैकड़ों राम भक्तों ने सुंदर कांड पाठ किया। गोपेश्वर शिव मंदिर परिसर में भजन कीर्तन और सुंदर कांड पाठ का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने प्रतिभाग किया। गोपेश्वर मुख्य स्टेशन पर विशाल सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। व्यापार संघ की पहल पर आयोजित इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में राम चंद्र भट्ट सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज की छात्र-छात्राओं ने भगवान की वंदना समेत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी।

यूपी अल्पसंख्यक आयोग अध्यक्ष अशफाक सैफी ने जलाए दीए और उत्तराखंड मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष मुफ्ती शमून क़ासमी ने दिया राष्ट्रवाद का संदेश

देहरादून और आगरा में श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा अवसर पर सांप्रदायिक सौहार्द के संदेश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 23 जनवरी , जब देश दुनिया भव्य दिव्य राम मंदिर के उद्घाटन के ऐतिहासिक पल की गवाह बन रही थी उस लम्हे में गंगा जमुनी तहज़ीब की मिसाल पेश करते हुए मोहब्बत के शहर ताज नगरी आगरा के बाशिंदे भी अमन के पैगाम के साथ शामिल हो रहे थे। एक तरफ जहाँ अयोध्या में भगवान श्री राम की जी की प्राण प्रतिष्ठा पीएम मोदी कर रहे थे वहीँ भाईचारे का झंडा थामे अल्पसंख्यक आयोग उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष अशफाक सैफी लोगों के दिलों में मज़हबी दूरियों को मिटाकर प्रेम की गंगा बहा रहे थे। इस मौके पर आगरा में दरगाह/मस्जिद शाह शौकत रहमतुल्लाह आले जगदीशपुरा में दीप जलाकर खुशी मनाई गई

दून के सिल्वर सिटी कॉम्प्लेक्स में बंटा राम हलवा

अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अशफाक सैफी ने कहा कि 500 साल पुराना विवाद आज खत्म हो गया देश के सभी धर्म के लोगों में खुशी का माहौल है कि भगवान श्री राम टेंट में रह रहे थे और आज मोदी जी व देश के सर्वोच्च न्यायालय , देश के सभी साधु संतों के योगदान से राम मंदिर में भगवान की अलौकिक मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई है। इसी कड़ी में मुस्लिम समाज ने लोहा मंडी में भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें हर मज़हब के लोग शामिल हुए और कौमी एकता की मजबूत तस्वीर पेश की

कुछ ऐसा ही नज़ारा देवभूमि उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में भी दिखाई दिया जहाँ उत्तराखंड मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष मुफ्ती शमून क़ासमी और समाजसेवी आसिफ जैदी ने अमन और भाईचारे के साथ राष्ट्रवाद का संदेश दिया,शहर के दिल राजपुर रोड पर रामभक्तों का जमावड़ा नज़र आया जहां हिंदू मुस्लिम एकता देखने को मिली जो साथ में खुशियां साझा करते दिखे। मशहूर सिल्वर सिटी कॉम्प्लेक्स में रोबोटिक एकेडमी के प्रबल प्रताप सिंह,साकेत पंत, प्यूमा शोरूम और सिल्वर सिटी प्रबंधन और मैनेजर शैलेन्द्र ने मिलकर राम हलवा लोगों को खिलाया और जय श्री राम के जयकारे लगाए।

इस पेड़ की पत्तियां खाकर स्वर सम्राट बने थे तानसेन !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 23 जनवरी , संगीत के क्षेत्र में तानसेन का नाम लेते ही सुरों की ताल बजने लगती है। कहते हैं जिसने भी तानसेन की आवाज सुनी है वह मंत्रमुग्ध होकर रह गया। ग्वालियर में जन्मे तानसेन कुछ दिनों तक शेरशाह सूरी के पुत्र दौलत खां के आश्रय में रहने के बाद रीवा के राजा रामचंद्र पास आ गए और काफी दिनों तक रीवा में संगीत की मधुर धारा प्रवाहित की। तानसेन के संगीत की ध्वनि रीवा से बाहर दिल्ली जा पहुंची और उस समय के मुगल सम्राट अकबर ने उन्हें अपने नवरत्नों में शामिल कर लिया। तानसेन के संबंध में कहा जाता था कि बचपन में उनके मुंह से साफ आवाज नहीं निकलती थी इसके बाद वह चमत्कार हुआ सिर्फ एक पेड़ की कुछ पत्तियां चबाने के बाद। आज भी वह पेड़ मौजूद है लोग उस पेड़ की पत्ती को पाने लम्बी यात्रा करते हैं।

ग्वालियर में करीबन 600 साल पहले उस्ताद मोहम्मद गौस ने तानसेन को अपने स्थान के पास लगे हुए इमली के पेड़ की कुछ पत्तियां चबाने को दिया था। इन पत्तियों को चबाने के बाद तानसेन न केवल बोलने लगे, उनके मुंह से स्पष्ट स्वर भी सुनाई देने लगा। उनकी आवाज इतनी सुरीली हो गई की एक दिन ऐसा आया जब मुगल सम्राट अकबर ने तानसेन को अपने नवरत्नों में शामिल कर लिया।

बताते हैं कि तानसेन का जन्म ग्वालियर से 45 किलोमीटर दूर ग्राम बेहट में हुआ था। बचपन से ही तानसेन को बोलने में समस्या थी। इस बात को लेकर तानसेन के पिता काफी परेशान रहा करते थे। ऐसे में किसी ने उसे सलाह दी कि आप उस्ताद मोहम्मद गौस के पास जाइए। इनके पिता वहां पहुंचे तो जो चमत्कार हुआ उसे देखकर वह भी आश्चर्यचकित रह गए। बताते हैं कि मोहम्मद गौस ने वहीं पास लगे इमली की पेड़ की पत्तियों को मंगाकर तानसेन को चबाने के लिए दिया। इन पत्तियों को चबाने के बाद तानसेन के मुख से इतनी सुरीली आवाज निकली कि आज भी लोग उन्हें याद करते हैं।

बताते हैं कि आज भी उस इमली के पेड़ की पत्तियों को प्राप्त करने के लिए लोग देश-विदेश से आते हैं। कहा गया है कि लगातार लोगों के द्वारा इस पेड की पत्तियों को तोड़ने की वजह से पेड़ के अस्तित्व पर संकट आ गया। प्रशासन द्वारा इस पेड़ की रक्षा के लिए उसके चारों ओर लोहे की दीवार खड़ी कर पहरा लगा दिया है।

ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ में हुए अखंड कीर्तन

रुद्रप्रयाग। अयोध्या में श्री राम मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर भगवान केदारनाथ के शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर में अखंड रामायण का पाठ किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में भक्तों ने प्रतिभाग किया। साथ ही भजन कीर्तन व हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। रविवार सुबह से ओंकारेश्वर मन्दिर में अखण्ड रामायण का पाठ किया गया जिसका समापन सोमवार को प्रसाद वितरण के साथ किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न महिला मंगल दलों एव भजन कीर्तन मण्डलियों द्वारा भजन गाए गये। इस अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष आशा नौटियाल, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष विजय राणा, ईओ रमेशचंद्र तिवारी, पुजारी शिवशंकर लिंग, वागेश लिंग, व्यापार मंडल अध्यक्ष राजीव भट्ट, अनुसुइया प्रसाद, यशोधर मैठाणी, पूर्व प्रमुख लक्ष्मी प्रसाद भट्ट, दिनेश तिवारी, बबिता देवी, पवन राणा, युद्धवीर पुष्पवान, दलबीर रावत, श्याम सिंह बिष्ट आदि थे।

गैरसैंण के मंदिरों में हुए विभिन्न कार्यक्रम

चमोली। गैरसैंण प्रखड़ के विभिन्न मंदिरों में सोमवार को सुन्दर कांड,कलश यात्रा, सामुहिक भोज सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिससे संपूर्ण प्रखड़ राममयी बन गया। गैरसैंण, मेहलचौंरी, माईथान, नागचुला, सहित गंगेश्वर महादेव मंदिर, प्राचीन हनुमान मंदिर, रामनाली मंदिर, गंगा माई मंदिर, राधाकृष्ण मंदिर, विच्छेश्वर महादेव मंदिर, रामगंगा हिन्दू संगठन आदि में इस मौके पर सामूहिक भोज एवं प्रसाद वितरण भी किया गया। वहीं दूसरी ओर आदिबदरी मंदिर के साथ ही चांदपुर क्षेत्र के अन्य मंदिरों में भी अनेक धार्मिक कार्यक्रम हुये।

सतेराखाल में निकाली भव्य राम कलश यात्रा

रुद्रप्रयाग। अयोध्या में भगवान राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर सतेराखाल में भव्य राम कलश यात्रा व सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। कलश यात्रा नारी चंडिका मंदिर से प्रारंभ होकर सतेराखाल मुख्य बाजार स्थित हनुमान मन्दिर तक आयोजित की गई। जिसमें सतेराखाल क्षेत्र के नारी, खतेणा, स्युपुरी, सतेरा, सीली की महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों ने बढ़ चढक़र भाग लिया। सतेराखाल पहुंचकर रामयात्रा का व्यापार संघ और स्थानीय निवासियों ने स्वागत किया। इस दौरान पूरा सतेराखाल क्षेत्र श्री राम के जयकारों से गूंज उठा। कलश यात्रा में गम्भीर सिंह बिष्ट, प्रकाशवीर नेगी, रिटा. कैप्टन दलवीर सिंह रावत, रिटा. कैप्टन उम्मेद सिंह नेगी, जितेंद्र बर्तवाल, दीपक नेगी, दयाल सजवाण, मनोज बिष्ट, सचेन्द्र रावत, पं. जीवानंद खंडूड़ी, अनीता रावत, सुषमा नेगी, शोभा रावत, विक्रम पैलडा, राजकुमार शाह, गोपाल नेगी, उम्मेद सिंह रावत, महिपाल नेगी, महेंद्र बर्तवाल, आनंद सिंह रावत, प्रेम सिंह नेगी, विनोद डिमरी, नवीन बर्तवाल, विश्वंभर मलवाल समेत आदि क्षेत्रीय जनता मौजूद थी।

क्या है 90-30-50 डाइट प्लान जिससे तेजी से घटा सकते हैं वजन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 23 जनवरी , डाइट प्लान के जरिए वजन को तेजी से घटाया जा सकता है. क्या आप जानते हैं कि 90-30-50 डाइट प्लान क्या है. इसमें कार्ब्स, फैट और प्रोटीन के सही इंटक की सलाह दी जाती है. चलिए आपको बताते हैं कि ये डाइट प्लान किस तरह काम करता है और इसे कैसे फॉलो करना ठीक है.

क्या है 90-30-50 डाइट प्लान

बीते कुछ सालों में वजन घटाने के कई मॉर्डन तरीके ट्रेंड में आए हैं. लोग वेट लॉस के लिए डाइटिशियन या न्यूट्रीशियनिस्ट को कॉन्टेक्ट करते हैं और स्ट्रिक्ट रूटीन फॉलो करते हैं. भले ही इनसे वजन घटाने में रिजल्ट मिल जाए पर इनके अपने भी कई नुकसान हैं. एक्सपर्ट्स का कहना है कि इनकी वजह से लोगों में मेंटल प्रेशर बनता है और उन्हें फायदे के बजाय नुकसान उठाने लगते हैं. वैसे आजकल मार्केट में तेजी से वजन घटाने का एक और तरीका काफी पसंद किया जा रहा है. ये 90, 30 और 50 का डाइट प्लान रूल है.

इस रूल में कार्ब्स और फैट के बेहतर इंटेक की सलाह दी जाती है. दरअसल कार्ब्स, प्रोटीन और कार्ब्स के जरिए फाइबर के इंटेक को बढ़ाया जाता है. इससे हमारा पाचन तंत्र सुधर पाता है और मेटाबॉलिज्म रेट में सुधार आता है. चलिए आपको बताते हैं कि 90, 30 और 50 डाइट प्लान क्या है और जानें इसके क्या फायदे हैं.एक्सपर्ट्स का कहना है कि इसमें आपको 90 फीसदी पोषक तत्वों से भरपूर फूड्स, 30 पर्सेंट में कैलोरी और हेल्दी फैट्स और 50 पर्सेंट कार्बोहाइड्रेट्स का रेशियो रखना चाहिए.

किस तरह करता है ये काम

एक्सपर्ट्स कहते हैं कि इस रूटीन को फॉलो करने से हेल्दी हैबिट्स की आदत लगती है जिससे हेल्थ और फिटनेस दोनों को फायदे होते हैं. दरअसल, लीन प्रोटीन से मांसपेशियों का बेहतर विकास हो पाता है. वहीं मोटे अनाज से शरीर को एनर्जी मिलती है. देखा जाए तो इस तरह का खानपान से हमारा मेटाबॉलिज्म दुरुस्त होता है जिससे इम्यून सिस्टम बूस्ट रहता है और वेट लॉस में मदद मिलती है.

इस तरह करें इसे फॉलो

90-30-50 डाइट में आपको मिक्स फ्रूट्स और वेजिटेबल्स को खाने की आदत डालनी चाहिए. इसके अलावा मोटे अनाज में ब्राउन राइज जैसी चीजों को खाने की आदत डालनी चाहिए. सर्दियों के दौरान आप फलों में संतरे को खा सकते हैं क्योंकि इसमें फाइबर और विटामिन सी काफी होता है. विटामिन सी से स्किन में सुधार आता है और फाइबर हमारे पेट के स्वास्थ्य भी दुरुस्त रहता है.

ध्यान रखें ये बात

अगर आप तेजी से वजन घटाना चाहते हैं तो बॉडी को ज्यादा से ज्यादा हाइड्रेट रखें. इसके लिए पूरे दिन में 2 से 3 लीटर पानी पिएं. इसके अलावा पानी वाले फलों का सेवन करें. पानी की कमी होने पर खाना ठीक से नहीं पच पाता है जिससे वेट गेन होता है. इसलिए अधिक से अधिक पानी पिएं. आप कुछ ही दिनों में फर्क देख पाएंगे

दुनिया में कम है नीला रंग क्या आपने किया है गौर ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 23 जनवरी , अगर आपसे कहा जाए कि दुनिया में सबसे कम दिखने वाला रंग कौन सा है तो आप क्या कहेंगे. क्या आप मानेंगे कि यह नीला रंग है. यह सुनते ही शायद मेरी तरह, आपके भी मन में नीला आसमान और नीले रंग के महासागरों की तस्वीर छा जाएगी. फिर आप कहेंगे कि कई पक्षी के पंख भी तो नीले रंग के दिखते हैं. लेकिन वैज्ञानिक कहते हैं कि दुनिया में नीला रंग वाकई में कम दिखता है. आइए जानते हैं कि वैज्ञानिक ऐसा क्यों कहते हैं और इसकी पीछे का सच क्या है.

कम ही बनता है नीला रंग

वैज्ञानिक दरअसल दावा करते हैं कि प्रकृति में नीला रंग बनता ही बहुत कम है. वैज्ञानिक कहते हैं कि दुनिया मे जितना भी नीला रंग दिखता है, उसमें से बहुत ही कम नीला रंग बनता है, बाकी केवल नीला दिखता है. जिसके पीछे एक खास प्रक्रिया होती है. वैज्ञानिक कहते हैं कि केवल कुछ ही बड़े जानवर नीला पिग्मेंट बना पाते हैं, जबकि दूसरे जानवर और पौधे "स्ट्रक्टरल कलरेशन"से नीले रंग का अहसास पैदा करते हैं.

कम क्यों बनता है नीला?

तो पहले नीले रंग के पैदा होने की बात को समझें. इस रंग का पिग्मेंट, यानी वह पदार्थ जो इस रंग के लिए जिम्मेदार होता है, बहुत कम बन पाता है. क्योंकि यह रंग पैदा करने वाला पिग्मेंट बहुत जल्दी दूसरे पदार्थ में बदल जाता है. इस कारण पौधे दूसरे पिग्मेंट का उपयोग करते हैं. चूंकि जानवर भी पौधे ही खाते हैं इसलिए उन्हें भी नीला पिंग्मेंट नहीं मिलता है.

खास तरह की प्रक्रिया

जानवरों में स्ट्रक्चरल कलरेशन की प्रक्रिया होती है जिससे वे नीले दिखते हैं. ऐसा पक्षियों में अधिक होता है. इसमें पंख या फूल की पंखुड़ी पर बहुत ही महीन बनावट होती हैं एक दूसरे के इतने पास होती हैं जिससे लाइट ऐसे रिफ्लेक्ट होती है कि दूर से दिखने पर चीज नीली दिखती है. जब वह चीज नीली होती नहीं है. मोर के पंख और उसका गला इसी की मिसाल हैं. इस तरह से देखा जाए तो यह सच है प्रकृति में नीला रंग सबसे कम बनाता है, फिर भी की पक्षी अपने पंखों को खास तरीके से नीला दिखा देते हैं. उनके पंख बने ही ऐसे होते जिससे लाल रंग के नहीं दिखते हैं, बल्कि वे नीले दिखते हैं.

क्या आप जानते हैं श्री राम की प्रतिमा की विशेषता ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 23 जनवरी , अयोध्या में राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की जा रही है। इसके पहले रामलला का 5 साल का बाल स्वरूप राम मंदिर के गर्भगृह में पहुंचा तो दुनिया ने पहली दिव्य झलक देखी। हालांकि अभी रामलला को पर्दे से ढक दिया गया है. उसकी आंखों पर पट्टी बंधी है. प्राण प्रतिष्ठा के दिन वैदिक और सनातन परंपरा के अनुसार अनुष्ठान के बाद पीएम मोदी पट्टी हटाकर राम लला की प्राण प्रतिष्ठा करेंगे. लेकिन आपको बताते हैं श्रीराम की प्रतिमा की अद्भुत खूबियां

सूर्य देव-गरुड़-हनुमान और 10 अवतार ,

जैसे ही पहली तस्वीर सामने आयी हर दिशा और कोने में रामलला की मूर्ति की तस्वीर वायरल हो रही है. आंखों पर पट्टी बांधकर सामने आई रामलला की पूरी आकृति. वहीं रामलला की मूर्ति तोड़े जाने के बाद यह भी कहा गया कि इस 51 इंच की मूर्ति में कौन शामिल था ? आइए जानते हैं डिटेल...

एक ही काले पत्थर से निर्मित, कोई जोड़ नहीं

रामलला की मूर्ति का निर्माण कर्नाटक के मैसूर के रहने वाले मूर्तिकार अरुण योगीराज ने किया है। मूर्ति काले रंग के पत्थर से बनी है और इसमें कोई अन्य पत्थर नहीं जोड़ा गया है। कहा जा सकता है कि पूरी प्रतिमा में कहीं कोई जोड़ नहीं है। मूर्ति की ऊंचाई 4.24 फीट और चौड़ाई 3 फीट है। मूर्ति का वजन करीब 200 किलोग्राम है। मूर्ति में 5 साल के बालक रामलला के साथ विष्णु के 10 अवतार विराजमान हैं। हनुमानजी, गरुड़ और सूर्य भी देवता हैं। स्वस्तिक के साथ ॐ, चक्र और गदा है।

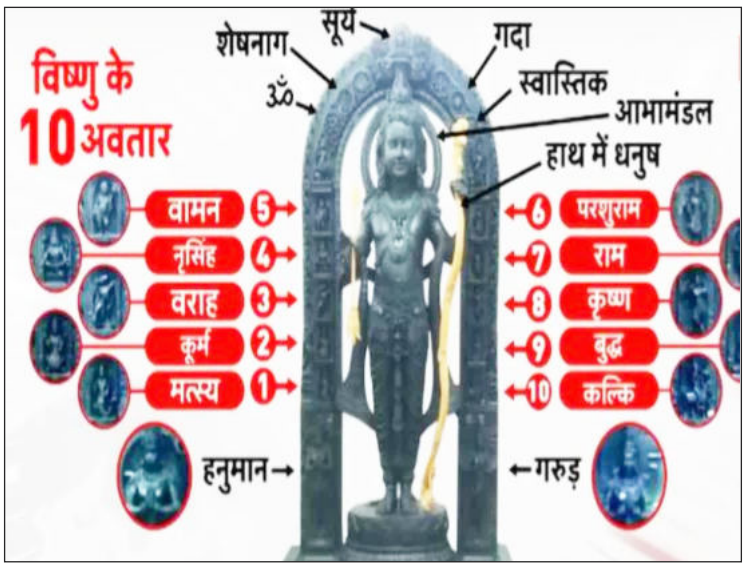

बाएँ और दाएँ, ऊपरी और निचले पैरों के बारे में क्या ?

रामलला के माथे पर ओम, चक्र, गदा और स्वास्तिक बना हुआ है.रामलला के मस्तक पर सूर्यदेव को भी विराजमान दिखाया गया है.दाईं ओर मत्स्य, कूर्म, बरहा, नरसिम्हा और वामन के अवतार दिखाए गए हैं।बाईं ओर परशुराम, राम, कृष्ण, बुद्ध और कल्कि के अवतार दिखाए गए हैं।उनके दाहिने पैर पर हनुमानजी और बाएं पैर पर पक्षीराज गरुड़ विराजमान हैं।रामलला के बाएं हाथ में धनुष-बाण होगा.

संविधान प्रस्तावना दिवस का किया आयोजन

हल्द्वानी। भीम आर्मी, मूलनिवासी संघ और अम्बेडकर मिशन एंड फाउंडेशन ने संविधान सभा, प्रस्तावना दिवस का आयोजन अम्बेडकर पार्क दामुवाढूंगा में किया। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज ही की तारीख 22. 1. 1947 को संविधान की प्रस्तावना का आकार बनकर तैयार हुआ था। संविधान की प्रस्तावना संविधान का मूल परिचय हैं। प्रस्तावना की शुरुआत हम भारत के लोग लिखा है, जिसका मतलब है कि भारत एक धर्म निरपेक्ष देश है। भारत में निवास करने वाला व्यक्ति किसी भी धर्म का हो वो भारतीय नागरिक होने के नाते है सबका बराबर का अधिकार है। 26 जनवरी को संविधान बचाओ मंच द्वारा आयोजित हम भारत के लोग कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर प्रस्तावना का पाठ करने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में डॉ. प्रमोद कुमार, जीआर टम्टा, आरपी गंगोला, नफीस अहमद खान, सिराज अहमद, विकास कुमार, सुंदरलाल बौद्ध, इंदिरा देवी, गंगा प्रसाद, आरआर आर्य, विनोद कुमार, सुनील कुमार, हरीश लोधी, बुधपाल, हरीश आग्री, नंदन प्रसाद, गोवासी कोटि, प्रेमा देवी, रिजवान, मनीष गौतम, अनीत कुमार, पंकज कुमार उपस्थित रहे।

मजोखी में हुई श्रीराम कथा

पौड़ी। श्रीराम मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा को लेकर सोमवार को मंदिरों में भजनकीर्तन के साथ ही प्रसाद वितरण के कार्यक्रम आयोजित हुए। द्वारीखाल ब्लाक के मजोखी गांव में पहले से चल रही श्रीमद्भागवत कथा के दौरान सोमवार को श्रीराम कथा का भी आयोजन हुआ। व्यास सुधीर बड़थ्वाल ने श्रीराम कथा का मुधर वाचन किया और श्रीराम के आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। इससे पूर्व गांव के नागराजा मंदिर से श्रीराम की शोभा यात्रा और कलश यात्रा भी निकाली गई। वहीं दूसरी ओर राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर भुवनेश्वरी मंदिर सांगुडा, बिलखेत, तिल्या सांगुडा बिलखेत में भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यहां ब्लाक प्रमुख द्वारीखाल महेंद्र सिंह राणा ने द्वीप जलाकर श्रीराम झांकी के दौरान तिलक किया। यहां भजन कीर्तन में भी श्रद्धालुओं ने किए। इस मौके पर श्रद्धालुओं ने श्री राम मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर भजन- कीर्तन किए।

पौड़ी के मंदिरों में हुए भंडारे

पौड़ी। सोमवार को अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर जिलेभर में लोगों में उत्साह देखा गया। शहर के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों के मंदिरों में प्रसाद वितरण के साथ ही भंडारे का आयोजन किया गया। क्यूंकालेश्वर मंदिर में भक्तों के लिए सुबह से ही भंडारा लगाया गया था। रामलीला मैदान में भी श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई थी। बस स्टेशन में भी समाजसेवी नीलम जुयाल ने श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया। स्थानीय युवा व्यापारी निखिल रौथाण ने भी जगह-जगह श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया।

लड़कियों से ज्यादा अच्छे होते हैं लड़के, ASER का खुलासा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 23 जनवरी , शिक्षा की सालाना रिपोर्ट' (एएसईआर) द एनवल स्टेटस ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट जिसे 'बियॉन्ड बेसिक्स' नाम के टाइटल से प्रकाशित की गई है. जिसमें 14 से 18 साल की उम्र के ग्रामीण छात्रों के बीच नागरिक समाज संगठन प्रथम द्वारा एक सर्वेक्षण शामिल था. 26 राज्यों के 28 जिलों में आयोजित घरेलू सर्वेक्षण में 34,745 छात्रों की मूलभूत पढ़ने और अंकगणित क्षमताओं का आकलन किया गया. इसमें छात्रों द्वारा की जाने वाली गतिविधियों, उनकी बुनियादी और व्यावहारिक पढ़ने और गणित क्षमताओं और डिजिटल जागरूकता और कौशल पर चर्चा की गई.

यह रिसर्च 14-18 साल वाले बच्चों के ऊपर किया गया

कुल मिलाकर 14-18 साल के 86.8% बच्चे किसी शैक्षणिक संस्थान में नामांकित हैं. नामांकन में थोड़ा लिंग अंतर है, लेकिन

उम्र के हिसाब से बड़ा अंतर दिखाई देता है. रिपोर्ट में कहा गया है कि नामांकित नहीं होने वाले युवाओं का प्रतिशत 14 साल के युवाओं के लिए 3.9% है और 18 साल के युवाओं के लिए 32.6% है.

बुनियादी योग्यताएं

सर्वेक्षित युवाओं में से केवल 5.6% ने बताया कि वे व्यावसायिक प्रशिक्षण या अन्य संबंधित पाठ्यक्रम ले रहे हैं. कॉलेज स्तर पर युवाओं के व्यावसायिक प्रशिक्षण (16.2%) लेने की सबसे अधिक संभावना है," सर्वेक्षण में पाया गया कि अधिकांश युवा छह महीने या उससे कम अवधि के लघु अवधि के पाठ्यक्रम ले रहे हैं.

इस मामले में लड़के हैं ज्यादा समझदार

आधे से अधिक लोग विभाजन (3-अंकीय 1-अंक) की समस्याओं से जूझते हैं. 14-18 साल के केवल 43.3% बच्चे ही ऐसी समस्याओं को सही ढंग से कर पाते हैं. यह कौशल आमतौर पर मानक III/IV में अपेक्षित होता है. रिपोर्ट में कहा गया है. आधे से कुछ अधिक अंग्रेजी में वाक्य पढ़ सकते हैं (57.3%)। रिपोर्ट में कहा गया है,जो लोग अंग्रेजी में वाक्य पढ़ सकते हैं, उनमें से लगभग तीन-चौथाई उनके अर्थ (73.5%) बता सकते हैं.

जबकि महिलाएं (76%) अपनी क्षेत्रीय भाषा में मानक II स्तर का पाठ पढ़ने में पुरुषों (70.9%) की तुलना में बेहतर करती हैं. पुरुष अंकगणित और अंग्रेजी पढ़ने में महिलाओं की तुलना में बेहतर करते हैं. रिपोर्ट में कहा गया है,जो युवा घटाव या अधिक कर सकते हैं, उनमें से 60% से अधिक बजट प्रबंधन कार्य करने में सक्षम हैं. लगभग 37% छूट लागू कर सकते हैं, लेकिन केवल 10% ही पुनर्भुगतान की गणना कर सकते हैं.

सभी युवाओं में से लगभग 90% के पास घर में स्मार्टफोन है और वे इसका उपयोग करना जानते हैं. जो लोग स्मार्टफोन का उपयोग कर सकते हैं. उनमें से पुरुषों (43.7%) के पास अपना स्मार्टफोन रखने की संभावना महिलाओं (19.8%) की तुलना में दोगुनी से भी अधिक है. पुरुषों की तुलना में महिलाओं को स्मार्टफोन या कंप्यूटर का उपयोग करना कम आता है मोबाइल फोन का उपयोग करने वाले सभी कार्यों में पुरुषों ने महिलाओं से बेहतर प्रदर्शन किया। "शिक्षा स्तर के साथ डिजिटल कार्यों पर प्रदर्शन में सुधार होता है। बुनियादी पढ़ने की दक्षता के साथ डिजिटल कार्य करने की क्षमता बढ़ती है.

घी और बटर में क्या फर्क है ? दोनों में से कौन है ज्यादा हेल्दी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 23 जनवरी , डाइटिंग के दौरान लोग अक्सर घी को इग्नोर कर देते हैं. क्योंकि उन्हें लगता है कि घी खाने से वो मोटे हो जाएंगे. लेकिन बीते कुछ सालों में घी को लेकर डाइटिशियन ने एक अलग नजरिया आज की यंग जेनरेशन के सामने रखा है. जिसकी वजह से आज के नौजवान भी घी आना पसंद करते हैं. लेकिन आज हम इस आर्टिकल के जरिए आपको बताएंगे कि घी और बटर दोनों से हेल्दी कौन है?

घी खाने से क्या सच में हड्डी हो जाता है मजबूत ?

घी हमेशा से भारतीय किचन का इतिहास रहा है. दादी-नानी घर के बड़े-बुजुर्ग हमेशा कहते हैं कि बच्चों को घी जरूर खिलाओ ताकि हड्डी मजबूत हो. घी एक सुपरफूड की तरह है जो आपके पेट को हेल्दी रखता है. साथ ही साथ यह गुड फैट का अच्छा सोर्स है. घी पोषक तत्व से भरपूर होता है. कई रिसर्च में यह बात सामने आई है कि बच्चे रोजाना घी खा सकते हैं. क्योंकि घी खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करके अच्छा कोलेस्ट्रॉल को बढ़ावा देता है. ऐसे में सवाल यह

उठता है कि क्या बटर घी से अच्छा है खराब?

घी और मक्खन में कैलोरी

मक्खन 51% हेल्दी फैट 71 प्रतिशत और 3 ग्राम अनहेल्दी के साथ प्रति 100 ग्राम 717 किलो कैलोरी प्रदान करता है. 100 ग्राम घी 60% हेल्दी फैट और बिल्कुल भी अनहेल्दी फैट के साथ 900 किलो कैलोरी प्रदान करता है. दुकान से घी खरीदते समय सुनिश्चित करें कि आपने लेबल ठीक से पढ़ा है. यदि इसमें 'वनस्पति घी' लिखा है तो संभावना है कि यह पारंपरिक घी नहीं है और इसमें अनहेल्दी फैट हो सकता है.

घी और मक्खन का स्वाद और उपयोगघी और मक्खन दोनों का स्वाद बहुत अलग है और इसलिए यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि उनका उपयोग बहुत अलग तरीकों से किया जाता है. भारत में, घी का उपयोग सभी प्रकार की करी, दाल और मांस व्यंजन पकाने के लिए किया जाता है. विशेष अवसरों पर भी इसका उपयोग पूड़ी और परांठे तलने या सूजी या गाजर का हलवा बनाने के लिए खाना पकाने के माध्यम के रूप में भी किया जाता है.

इसका कारण घी की उच्च तापमान पर भी पका सकते हैं. मक्खन का उपयोग आमतौर पर व्हाइट सॉस या बेचमेल जैसे त्वरित सॉस बनाते समय किया जाता है. सब्जियों और विशेष रूप से मछली, झींगा और केकड़ों जैसे जल्दी पकने वाले मांस को भूनने के लिए मक्खन भी एक बढ़िया विकल्प है. यह मांस में एक सुंदर स्वाद जोड़ता है और लहसुन और जड़ी-बूटियों के साथ मिलाने पर इसका स्वाद विशेष रूप से अच्छा होता है.

रायपुर रेंज अन्तर्गत गुलदार बाहुल्य क्षेत्र राजपुर (टौंस नदी) क्षेत्र में अतिरिक्त ट्रैप कैमरे लगाए गए एवं रायपुर (डाण्डा लखौण्ड) क्षेत्र के विभिन्न स्थानों में गुलदार पकड़ने हेतु दो और नए पिंजरे वर्तमान तक कुल छः पिंजरे लगाए गए हैं तथा स्थानीय लोगों को सचेत करते हुए सतर्कता बरतने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए व गठित टीम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा गुलदार पकड़ने हेतु नियमित गश्त जारी है।

राजभवन में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा गया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। अयोध्या में प्रभु श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर राजभवन ऑडिटोरियम में राम भजन संध्या आयोजित की गई। इस भजन संध्या में लक्ष्मी दास व उनकी टीम द्वारा राम भक्ति पर आधारित अपने भजनों से उपस्थित लोगों को भाव-विभोर कर दिया। वहीं इस अवसर पर राजभवन में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा गया। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) सहित राजभवन के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिवारजन प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के साक्षी बने। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक और आनन्दमयी पल है जो कालखण्ड का बदलाव करेगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में हमारी जिम्मेदारी है कि हम इस प्रकार भारत को विकसित राष्ट्र, विश्व गुरु और सर्वश्रेष्ठ बना सके।

उन्होंने कहा कि आज राम लला मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा होना, भारत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण घटना है। आखिरकार, आज समूचा राष्ट्र सबसे महत्वपूर्ण ऐतिहासिक क्षण का गवाह बना है। अयोध्या में श्री राम मंदिर का उद्घाटन, आज का आयोजन करोड़ों देशवासियों के लिए बहुत अविस्मरणीय पल है।

उन्होंने कहा कि यह हम सबके लिए खुशी और परम सौभाग्य का समय है कि सदियों के लम्बे इन्तजार के बाद यह शुभ समय आया है। राज्यपाल ने कहा कि राम राज्य की परिकल्पना को साकार करने के लिए हम सभी को अपने संकल्प एवं कर्तव्यों को पूरा करते हुए राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देना होगा।

राज्यपाल ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम सिर्फ भारतवासियों के लिए नहीं वरन पूरी मानवता के लिए अद्वितीय आदर्श हैं। अब कई वर्षों के लंबे संघर्ष और प्रतीक्षा के पश्चात अवधपुरी में प्रभु का भव्य और दिव्य मंदिर का निर्माण और आज पवित्र क्षण में राम लला की गर्भगृह में प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही हम सबकी मनोकामना पूर्ण हो गई है। अभी हम जिस सुअवसर से गुजरे हैं, मानवता के इतिहास में, ऐसा विलक्षण दृश्य कभी-कभी ही देखने को मिलते हैं।

इससे पूर्व इस शुभ अवसर पर राज्यपाल एवं प्रथम महिला ने राजभवन परिसर स्थित राजप्रज्ञेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना भी की।

इस अवसर पर प्रथम महिला गुरमीत कौर, सचिव राज्यपाल रविनाथ रामन, अपर सचिव स्वाति एस. भदौरिया, वित्त नियंत्रक डॉ. तृप्ति श्रीवास्तव, संयुक्त निदेशक नितिन उपाध्याय, चिकित्साधिकारी डॉ. महावीर सिंह, डॉ. एस.के.सिंह, कम्प्ट्रोलर प्रमोद चमोली सहित राजभवन के अधिकारी, कर्मचारी एवं उनके परिवारजन उपस्थित रहे।

पहाड़ी क्षेत्रों में नए रूटों पर शुरू होगी रोडवेज बस सेवा

हल्द्वानी। पहाड़ी क्षेत्रों में सफर करने वाले यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। परिवहन निगम पिथौरागढ़ और चम्पावत जिले के लिए स्थाई बस सेवा शुरू कर रहा है। संभागीय परिवहन प्राधिकरण (आरटीए) ने गंगोलीहाट और रीठा साहिब रूट पर बस संचालन की अनुमति दे दी है। अब निगम स्थाई रूप से इस रूटों पर बसों का संचालन करेगा। कुमाऊं का मुख्य शहर होने से सभी पर्वतीय जिलों के लोगों की आवाजाही यहां बनी रहती है। ऐसे में सस्ते और सुरक्षित सफर के लिए रोडवेज बसों का इंतजार रहता है। वहीं कई रूटों पर बस संचालन की अनुमति नहीं होने से परिवहन निगम बसों का संचालन नहीं कर पाता है। अब इसके समाधान के लिए आरटीए ने दो जिलों के मुख्य मार्गों पर बस संचालन की अनुमति निगम को दी है। अब पिथौरागढ़ के गंगोलीहाट और चम्पावत जिले में हल्द्वानी से रीठा साहिब के बस चलाए जाने की अनुमति मिल गई है। इन रूटों पर नियमित तौर पर बसों संचालन होने से स्थानीय लोगों को निजी टैक्सियों के महंगे सफर से राहत मिलेगी। परिवहन निगम के सहायक महाप्रबंधक एसएस बिष्ट ने बताया कि दोनों रूटों पर ट्रायल में बसों का संचालन किया जा रहा था। अब आरटीए से अनुमति मिलने पर इन्हें स्थाई किया जा रहा है।

जखोली में राम झांकी निकाली

चमोली। चमोली। श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर सोमवार को जखोली लस्या के रामाश्रम स्थित राम मंदिर में भक्तों के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया,जिसमें आस पास के नागेन्द्र इंका बजीरा, रामाश्रम, ओंकारानन्द जखोली, जयन्ती कौठियाड़ा सहित विभिन्न विद्यालयों के छात्र छात्राएं मार्गदर्शक शिक्षकों के साथ जखोली तहसील परिसर में एकत्रित हुए और वहां से राम झांकियां निकालते हुए रामाश्रम राम मंदिर में जयकारे लगाते हुए पहुंचे,जहां जखोली, कपणियां, बजीरा, बच्चवाड़, ललूड़ी आदि महिला मंगल दलों ने कीर्तन भजन एवं पूजा अर्चना कर भक्तों ने भण्डारे में भोग लगाया व प्रसाद वितरण कर अन्न ग्रहण किया है। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक क्षेत्र पंचायत सदस्य भूपेंद्र सिंह भंडारी, प्रभुदयाल भण्डारी, दीनदयाल भण्डारी, भाजपा पूर्व मण्डल अध्यक्ष मेहरमान रावत, विजेन्द्र मेवाड़, आचार्य भगवती भट्ट, बलवीर सिंह चौहान, सुशीला मेवाड़, सतीश राणा सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

संपादकीय

हर मुद्दे में राम

अयोध्या में राम के चरण पूरे देश के भ्रमण में आस्था के कई महाकुंभ और प्रतीकात्मक बिंदुओं पर बदलते अंदाज की कहानी बयां कर रहे हैं। जश्न मनाती टोलियों का हुलिया यह हवाला दे गया कि देश किस दिशा में सोच रहा है। बहता हुआ एक रास्ता मिल गया, हम तो निकले थे तेरे दीदार में। राम के दर्शन का मायावी स्वरूप और जयघोष के उन्मादी रूप में जिंदगी भाग निकली, बाहर निकली। यह जश्न इतिहास को गांव की दहलीज तक और राष्ट्र के विषयों को लगभग खारिज करके सोच रहा है कि धर्म के रास्ते जन्नत की तस्वीर उभर आई है। एक पल के लिए देश के सारे मुद्दे गौण और पीड़ा के सारे कान बंद हैं, सिर्फ शंखनाद है या तिलिस्म जिसने देश को व्यस्त कर दिया। हिमाचल से या हिमाचल की आस्था सोमवार के दिन जमीन मापती हुई दूर निकल गई ताकि खबर हो कि किसने पटका बांधा, किसने लंगर लगाया। वैसे यह अद्भुत छुट्टी थी जिसकी रचना कांग्रेस सरकार ने की। ऐसे में राम किसी एक के नहीं हो सकते, लेकिन इवेंट तो हो सकता है और यह हुआ यूं ही नहीं। पिछले कई दिनों से हिमाचल की गलियां कानाफूसी कर रही थीं। राम के सेवक दौड़ रहे थे, तो घर-घर अक्षत पहुंच कर संदेश दे रहे थे। ऐसे में राष्ट्रीय निमंत्रण पत्रों पर उठे विवाद ने कांग्रेस को कोने पर पहुंचा दिया, लेकिन अगर मुद्दे में राम को देखेंगे, तो कहीं राजीव गांधी व नरसिम्हा राव भी न•ार आएंगे। मुद्दे में राम ने कभी शांता कुमार की सरकार छीन ली थी, तो पालमपुर अधिवेशन में पार्टी ने 'मंदिर अयोध्या में बनाएंगे', का उद्घोष चुना था। इसलिए पालमपुर में शांता कुमार के लिए राम की गाथा में उनकी नीतियों का रामराज्य बोल रहा है। यह वह दौर था जब भाजपा अपने सिद्धांत पर सर्वोपरि थी, भले ही सत्ता रहे या दोबारा न मिले। अब जबकि अयोध्या में राम की राजनीतिक उपासना को अलग करके नहीं देखा जा सकता, भाजपा इस धार्मिक धरोहर और उत्सव की वारिस होने के सारे प्रमाण देश भर में जुटा रही है। कहना न होगा कि जिस तरह समारोह का शृंगार हुआ और इसका मंचन नागरिक समाज तक हुआ, उससे जाग्रत भावनाएं उद्घोष कर रही हैं। कल अगर यही उद्घोष चुनावी उद्घोष बन गया, तो वर्तमान सियासी स्थिति में ही उफान आएगा, वरना देश का मूड अब इस फुर्सत में नहीं कि देश की कोई अन्य चर्चा शुरू की जाए। अगर हिमाचल सरकार प्रदेश का एक दिन राम के निमित कर रही है, तो जाहिर है मंदिर की व्याख्या में सुशासन बदल रहा है। उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री के अनुसार पूरा मंत्रिमंडल अयोध्या दर्शन करेगा, जबकि सरकारी बसों ने अयोध्या के रूट चुन लिए हैं। पहली बस सेवा नालागढ़ से शुरू भी हो गई है। इसी रूट पर हिमाचल के मंत्री विक्रमादित्य सिंह और सुधीर शर्मा पहले ही रामलला के दरबार में आशीर्वाद लेने पहुंचे हैं। देखना यह होगा कि ये दोनों कांग्रेसी दिग्गज लौटते हुए अयोध्या से क्या पैगाम लाते हैं। कुल मिला कर राम की आराधना में देश और देश की आराधना में राजनीति भी अवतार स्वरूप व्यवहार कर रही है, इसीलिए उद्घाटन दरअसल प्रस्फुटन है देश के भविष्य में सियासत व धर्म के गठजोड़ का।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002
RNI No. : UTTHIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम बड़ी श्रद्धा भाव से मनाया

हरिद्वार। हरिद्वार ग्रामीण विधानसभा के दर्जनों गांव में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम बड़ी श्रद्धा भाव से मनाया गया। ग्रामीणों ने गांव व मोहल्लों के मंदिरों में रामायण पाठ सम्पन्न कराया। साथ ही शोभायात्रा निकाली। कई जगह भंडारों का आयोजन भी किया गया। पथरी के गांव धनपुरा, शाहपुर, पदार्था, रानीमाजरा, पथरी, पुरुषोत्तमनगर, धारीवाला, अम्बुवाला, झाबरी, बहादरपुर जट, कटारपुर, फेरुपुर, एक्कड़, बादशाहपुर, टिकोला, चांदपुर, इब्राहिमपुर सहित अन्य कई गांव में शोभा यात्रा का आयोजन बड़े हर्षोल्लास के साथ किया गया। धनपुरा में होली चोक से बाजार होते हुए फेरुपुर तक शोभा यात्रा निकाली गई। जिसमें स्थानीय ग्रामीणों सहित जन प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। ग्रामीण क्षेत्र में पिछले कई दिनों से भव्य आयोजनों की तैयारी की जा रही थी। शोभायात्रा को लेकर पुलिस ने भी पुख्ता इंतजाम किए। मंदिरों में सुबह से ही कीर्तन मंडली द्वारा भजन गायन और अखंड रामायण पाठ चलाया गया। ग्रामीण राजेश सैनी, सुनील, पाल सिंह, रामपाल, जीतेन्द्र, संजय सैनी, सुरेंद्र कुमार, संजय सरदार, कारण सिंह, पवन राठौर, भगवान सिंह, चरण सिंह चौहान, आशु, मनोज कुमार, सुरजीत सिंह, अमन चौहान, कुलदीप आदि शामिल रहे। एसओ पथरी रविंद्र कुमार ने बताया क्षेत्र में सभी जगह शोभयात्रा शांति पूर्वक निकली गई। अन्य समुदाय के लोगों ने भी शोभायात्रा का सम्मान किया और कई स्थानों पर पुष्प वर्षा की।

मोटरसाइकिल चोरी में दंपति धरा

हरिद्वार। बहादराबाद पुलिस के हत्थे चढ़े बिजनौर के एक दंपति के कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गई है। आरोपी दंपति यहां चाय का खोखा संचालित कर रहा था। पुलिस ने आरोपी दंपति को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया। एसओ नरेश राठौड़ ने बताया कि मुकेश कुमार पुत्र हरिराम निवासी रोहालकी किशनपुर की मोटरसाइकिल बाईपास स्थित देशी शराब के ठेके के पास से चोरी कर ली गई थी। वाहन स्वामी की सूचना पर पुलिस सक्रिय हो गई थी। बताया कि चेकिंग के दौरान पुलिस टीम ने जया मैक्सवैल तिराहे के पास मोटरसाइकिल सवार दंपति को पकड़ लिया। पूछताछ में उन्होंने कबूला कि मोटरसाइकिल उन्होंने चोरी की थी। एसओ ने बताया कि आरोपियों के नाम संजय पुत्र श्रीराम, उसकी पत्नी सोनी निवासी नगला गन्ना करनावाला थाना धामपुर बिजनौर यूपी हाल निवासी नियर सलेमपुर चौक कोतवाली रानीपुर है।

बताया कि दंपति बाजार क्षेत्र में चाय का खोखा संचालित करता है। महिला ने मोटरसाइकिल खरीदने के लिए पति पर दबाव बनाया था, जिसके बाद दंपति ने मिलकर मोटरसाइकिल चोरी की थी।

सिलेंडर-चूल्हा चोरी कर भाग रहे दो दबोचे

हरिद्वार। घर के अंदर घुसकर घरेलू गैस सिलेंडर-चूल्हा चोरी कर ले जा रहे दो युवकों को आमजन ने रंगे हाथ दबोच लिया। जिन्हें पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। मकान स्वामी की शिकायत पर रानीपुर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों को जेल भेज दिया। घटना रविवार देर रात की है। क्षेत्र के गांव सलेमपुर निवासी राधेलाल पुत्र सुखपाल के घर घुसकर दो युवकों ने रसोई से गैस सिलेंडर और चूल्हा चोरी कर लिया। जैसे ही वह सामान लेकर फरार हो रहे थे। उन्हें पड़ोसी सचिन ने देख लिया। पड़ोसी के शोर मचा देने पर आस पास के लोग एकत्र हो गए। जिन्हें युवकों को दबोच लिया। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस पहुंच गई। युवकों को पकडक़र पुलिस कोतवाली ले आई। पूछताछ में युवकों ने अपना नाम विशाल और अंकेश निवासीगण गांव सलेमपुर बताया। कोतवाली प्रभारी नरेंद्र सिंह बिष्ट ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से सिलेंडर चूल्हा बरामद कर लियागया है, जिन्हें कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

संक्षप्ति खबरें

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की सर्वेक्षण रिपोर्ट में छात्र-छात्राओं की स्वास्थ्य पर चिंताजनक खुलासा

देहरादून। शिक्षा विभाग के पौष्टिक मिड डे मील, साफ-स्वच्छता के दावों के बीच राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की सर्वेक्षण रिपोर्ट में छात्र-छात्राओं की स्वास्थ्य पर चिंताजनक खुलासा किया है। राज्य के सरकारी स्कूलों में सभी छात्र-छात्राओं का स्वास्थ्य दुरूस्त नहीं है। साढ़े चार लाख से ज्यादा छात्रों के सर्वे में 13 फीसदी को खून की कमी, आंखों की बीमारियों, त्वचा से जुड़ी समस्याओं से पीड़ित पाया गया है। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत अप्रैल 2023 से नवंबर 2023 की इस रिपोर्ट पर केंद्र और राज्य सरकार भी गंभीर है।एपीडी समग्र शिक्षा अभियान डॉ. मुकुल कुमार सती ने बताया कि छात्रों के स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर एहतियात बरता जा रहा है। विभिन्न बीमारियों से ग्रस्त पाए गए छात्रों में 13 हजार से ज्यादा को उपचार के लिए रैफर भी किया गया है। बीमार बच्चों की संख्या का ग्राफ अभी और भी बढ़ सकता है। दरअसल, पहली से आठवीं कक्षा तक में इस वक्त सरकारी स्कूलों में 6.50 लाख के करीब छात्र-छात्राएं रजिस्टर्ड हैं। केंद्रीय शिक्षा सचिव संजय कुमार ने राज्य को बाकी छूटे बच्चों का सर्वेक्षण भी जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

सीवर टैंकर से टकराए डिलीवरी ब्वॉय की मौत

देहरादून। सीवर टैंकर से टकराकर बाइक सवार व्यक्ति की मौत हो गई। हादसे के बाद टैंकर से जुड़े ट्रैक्टर का चालक मौके पर वाहन छोडक़र फरार हो गया। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। बाजार चौकी इंचार्ज विजय प्रताप राही के मुताबिक हादसा सोमवार दोपहर करीब एक बजे हुआ। माजरा कट के पास एक ट्रैक्टर सीवर टैंकर को भरकर ले जा रहा था। तभी पीछे से गुजर रहा बाइक सवार उसकी चपेट में आया। टैंकर के पहिए के नीचे आने से वह गंभीर घायल हो गया। उपचार के लिए पटेलनगर स्थित निजी अस्पताल भिजवाया गया। वहां चिकित्सकों ने बाइक सवार को मृत घोषित कर दिया। मृतक की शिनाख्त अमरीश कुमार (38) पुत्र हरपाल सिंह निवासी मुसाइक पोस्ट मुजफ्फरबाद थाना फतेहपुर जिला सहारनपुर के रूप में हुई। पुलिस ने मृतक का शव मोर्चरी में रखवाया है। हादसे को लेकर अमरीश के परिजनों को सूचना देकर दून बुलाया गया। पुलिस के मुताबिक अमरीश कुमार जोमैटो फूड डिलीवरी कंपनी के साथ डिलीवरी ब्वॉय का काम करता था। एक डिलीवरी के लिए जाते वक्त ही उसकी जान गई। पुलिस ने मौके से ट्रैक्टर समेत सीवर टैंकर और पीड़ित की बाइक को कब्जे में ले लिया। मृतक के परिजनों के तहरीर देने पर आरोपी वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

राम के बताए मार्गों पर चलने का संकल्प लिया

रुडक़ी। रामलला प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर नगर में भजन कीर्तन हुआ। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के भजन सुने और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। सोमवार को अयोध्या में रामलला मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर श्रद्धालु उत्साहित दिखे। नगर में श्रद्धालुओं ने धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। भगवान राम के भजन गाकर उत्सव मनाया, वहीं उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प भी लिया। इसके अलावा नगर में विभिन्न स्थानों पर भंडारों का आयोजन हुआ।

251 दीपक जलाकर मनाया रामोत्सव

रुडक़ी। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर माता मनकामेश्वरी मंदिर में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। मंदिर में 251 दीपक जलाकर भगवान राम का गुणगान किया गया। आचार्य आर्यदि आदर्श भारद्वाज ने बताया कि सोमवार को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर मंदिर में धार्मिक कार्यक्रम हुआ। राम भक्तों में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर अलग ही उत्साह है। भक्तों ने मंदिर में 251 दीपक जलाकर इस दिन को दिवाली के रुप में मनाया। मंदिर प्रबंधन से जुड़े नवीन कुमार जैन ने कहा कि आज प्रत्येक भारतवासी में भगवान राम के स्वागत को उत्सुक है। देश मे राममय माहौल बना हुआ है।

स्कूल से चावल चुरा रहा एक पकड़ा, दूसरा फरार

रुडक़ी। सोमवार सुबह करीब छह बजे के आसपास दो चोर कबूलपुरी रायघटी के राजकीय जूनियर हाईस्कूल में घुसे और स्कूल की रसोई से मिड-डे-मील के दो कट्टे चावल चुराकर ले जाने लगे। जैसे ही दोनों बाहर आए तो घर से पास के स्टोन क्रशर पर जा रहे गांव के ब्रजमोहन पुत्र सत्यपाल ने उन्हें देख लिया। ब्रजमोहन ने शोर मचाया तो दोनों भागने लगे। शोर सुनकर गांव के धर्म सिंह, भीम सहित कई लोग पहुंचे।

इकबालपुर से कोटद्वार तक जीआरपी आरपीएफ ने मोर्चा संभाला

रुडक़ी। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम को लेकर पुलिस को सतर्कता बरतने के आदेश दिए गए थे। शहर से देहात तक धार्मिक कार्यक्रमों को लेकर लोग एक जगह से दूसरे आवागमन करते रहे। एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए पहुंचे। वहीं नियमित और जरूरी कामों के लिए लोगों ने आम दिनों के मुकाबले सोमवार को भी ट्रेनों में सफर जारी रखा। जीआरपी और आरपीएफ की टीम ने इकबालपुर, रुडक़ी, लक्सर, एथल और कोटद्वार तक के रेलवे स्टेशनों पर सुबह से ही मोर्चा संभाल लिया। रेलवे स्टेशनों की चेकिंग की। मेटल डिटेक्टर से यात्रियों के सामानों की जांच की गई।

रामोत्सव पर कस्बे में निकाली कलश यात्रा

रुडक़ी। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा पर कस्बे में कलश यात्रा निकाली गई। इस दौरान हनुमान मंदिर में 24 फीट उंची मूर्ति की स्थापना हुई। ग्रामीणों ने मंदिरों में हवन-पूजन कर प्राण प्रतिष्ठा समारोह मनाया। कलश यात्रा हनुमान मंदिर से शुरू होकर कस्बे में विभिन्न स्थानों से होते हुए वापस हनुमान मंदिर पर संपन्न हुई। यात्रा का पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया। विधायक ममता राकेश ने भी कलश यात्रा में प्रतिभाग किया। मंदिर के पुजारी नीरज शर्मा ने बताया कि अयोध्या में श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के अवसर पर भगवानपुर में हनुमान की 25 फीट ऊंची मूर्ति की स्थापना की गई है।

स्कूल से चावल चुरा रहा एक पकड़ा, दूसरा फरार

रुडक़ी। सोमवार सुबह करीब छह बजे के आसपास दो चोर कबूलपुरी रायघटी के राजकीय जूनियर हाईस्कूल में घुसे और स्कूल की रसोई से मिड-डे-मील के दो कट्टे चावल चुराकर ले जाने लगे। जैसे ही दोनों बाहर आए तो घर से पास के स्टोन क्रशर पर जा रहे गांव के ब्रजमोहन पुत्र सत्यपाल ने उन्हें देख लिया। ब्रजमोहन ने शोर मचाया तो दोनों भागने लगे। शोर सुनकर गांव के धर्म सिंह, भीम सहित कई लोग पहुंचे।

उत्तराखंड मनाएगा चौथी दिवाली श्री राम बग्वाल, हुआ एलान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 23 जनवरी , देवभूमि ने एक बड़ा एलान किया है। सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी ने तय किया है कि हर साल 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष में श्री राम बग्वाल मनाएगी। इसके पहले रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर भारतीय जनता पार्टी ने उत्तराखंड में श्रीरामोत्सव को श्रीराम बग्वाल के रूप में मनाया।

संगठन स्तर पर प्रदेश के सभी पूजा स्थलों एवं प्रमुख स्थानों पर इस दौरान विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसके तहत प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने जोशीमठ के प्रसिद्ध नरसिंह मन्दिर में श्री राम भगवान प्राण प्रतिष्ठा में श्रद्धालुओं के साथ सुन्दर कांड का पाठन किया। प्राण प्रतिष्ठा के बाद दीयों से जगमगा उठी रामनगरी अयोध्या, सरयू में जगमगा रहे फव्वारे, आप भी देखिए दिव्य दृश इसी तरह अयोध्या से प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान के लाइव प्रसारण और आरती में प्रदेशभर में पार्टी पदाधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष भट्ट ने कहा कि श्री रामलला के विराजने पर देवभूमि में आज जिस तरह दीपावली मनाई गई उससे त्रेता युग के दीपोत्सव सा अनुभव हुआ। आज से उत्तराखंड में प्रचलित तीन तरह की दीपावली के साथ अब एक और दीपावली 22 जनवरी के दिन श्रीराम बग्वाल के रूप में आगे भी मनाई जाएगी।

हम पीढ़ी सौभाग्यशाली है, जिनके सामने भारतीय संस्कृति के मूल्यों की आज प्रतिष्ठा हुई है। उन्होंने पीएम मोदी कथनों को आगे बढ़ाते हुए कहा कि यह कार्यक्रम समर्थ, सक्षम और दिव्य भव्य भारत का प्रकटीकरण है। इसी तरह देहरादून स्थित पार्टी मुख्यालय में प्रदेश महामंत्री संगठन अजेय कुमार की मौजूदगी में हनुमान चालीसा पाठ के साथ भजन संध्या एवं दीपोत्सव का आयोजन किया।

जिसमे उन्होंने वहां उपस्थित पार्टी पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को सनातन संस्कृति की राजधानी में प्रभु श्री राम के विराजने पर बधाई दी। इस श्रीरामोत्सव कार्यक्रम में प्रस्तुत श्री राम भजन में सभी लोग भक्ति रस से सरोबार होकर झूमते रहे । जिसके बाद दीपक प्रज्वलित किया गया और जमकर आतिशबाजी की गई। साथ ही धार्मिक गानों पर कार्यकर्ताओं ने जमकर नृत्य कर श्रीरामोत्सव की खुशी मनाई। प्रदेश मुख्यालय में श्री हनुमान चालीसा के 11 पाठ और भजन संध्या का आयोजन किया।

ज्योति रौतेला की रामधुन से अयोध्या बना कांग्रेस मुख्यालय, भावविभोर हुए कांग्रेसी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 23 जनवरी , प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्योति रौतेला अयोध्या में श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर सुन्दरकाण्ड पाठ एवं भण्डारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बढ़चढ़कर कार्यक्रम में भागीदारी की। इसके अलावा प्रदेश के अन्य स्थानों पर भी महिला कोंग्रेस द्वारा सुन्दकाण्ड पाठ का आयोजन किये गये।

इस अवसर पर महिला कांग्रेस की अध्यक्ष ज्योति रौतेला ने कहा कि रामजन्म भूमि के लिए चारों पीठों के शंकराचार्यों के नेतृत्व में सन्त समाज ने लम्बे समय तक लड़ाई लडी इस लडाई को संतों ने अपना सर्वस्व अर्पित कर जन मानस को साथ लेकर जमीनी स्तर पर और न्यापालिका के स्तर पर भी लड़ा गया और अन्त में मा. सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर सरकारी धन से दिब्य भब्य रामलला को मन्दिर बन रहा है।उन्होंने कहा कि इस लड़ाई में आजादी के पूर्व व बाद से ही संघर्ष की एक लम्बी कहानी है 22-23 दिसम्बर 1949 की मध्य रात्रि को ही पूर्व प्रधानमंत्री स्व. पंडित जवाहर लाल नेहरू के समय वहां पर भगवान रामलला विराजमान हो गये थे और 1950 में सर्वोच्य न्यायालय में सरकार ने हल्पनामा दाखिल कर कहा कि वहां पर रामलला विराजमान है और इसके बाद पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी जी

के निर्देश पर रामलला के बन्द ताले को खोलने का काम किया और उन्ही के निर्देश पर वहां पर रामलला की पूजा अर्चना प्रारम्भ हुई।

ज्योति रौतेला ने कहा कि बाद में अन्य संगठनों ने भी राम मन्दिर निर्माण की मांग का समर्थन किया। विवाद होने पर पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी जी ने कहा था कि देश का सर्वोच्च न्यायालय जो भी निर्णय करेगा पूरा देश उसका सम्मान करेगा और हमें गर्व है कि न्यायालय के फैसले का पूरा देश सम्मान कर रहा है और आज प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव मना रहा है लेकिन यह उत्सव सौ गुना सुन्दर हो सकता था अगर चारों पीठों के शंकराचार्यों एवं धर्माचारियों और शास्त्रों के सुझावों, मार्गदर्शन के अनुसार सम्पन्न होता।

उन्होंने कहा कि आज भगवान राम के नाम पर भी राजनीति हो रही है और मंन्दिर निर्माण को श्रेय लेने का जो कुत्सित प्रयास हो रहा है जो कि निंदनीय है। क्योंकि आस्था व्यक्तिगत विषय है और भगवान राम के प्रति उनके भगतों की आस्था युगों पुरानी है और सनातन धर्म को मानने वाले हर वर्ष भगवान राम के अयोध्या आगमन पर दीपावली को उत्साह पूर्वक मनाया जाता है राम नवमी की शोभा यात्राऐं भी स्वस्फूर्त तरीके से निकाली जाती है और यह सब सदियों से होता आया है।

इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष करन माहरा, पूर्व मंत्री डॉ. हरक सिंह, हीरा सिंह बिष्ट, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, प्रदेश उपाध्यक्ष मथुरा दत्त जोशी, महामंत्री विजय सारस्वत, महिला कांग्रेस की प्रभारी परविन्दर कौर, मुख्य प्रवक्ता गरिमा माहरा दसौनी, गोदावरी

थापली, अमरजीती सिंह, महानगर अध्यक्ष उर्मिला थापा, अलका पाल, शिवनी थपलियाल, निधि नेगी, माल्ती देवी, अनुराधा तिवाडी, पुष्पा पंवार, मीना रावत, मीना बिष्ट, परणिता बडौनी, शुशीला शर्मा, प्रतिमा सिंह, अनिता निराला, रेखा ढ़िगरा, गायत्री चौहान, संगीता साधन, पिया थापा आदि उपस्थित थे।